OM 7 INITIAL_Page 1 and 2 10-07-2014 21:36 Page 1

''परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन''कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर , वैशाली नगर। भारत ही वो पवित्र भूमि है जहां स्वयं भगवान नयी दुनिया रचने का भागीरथ कार्य कर रहे हैं। समय परिवर्तन हो रहा है, लेकिन इससे पहले हमें स्वयं का परिवर्तन करना आवश्यक है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दादी रतनमोहिनी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भगवान अभी साधारण तन में प्रवेश कर इस धरा को स्वर्ग बनाने का अद्भुत कार्य कर रहे हैं।

मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज रिश्तों का महत्व, स्नेह और सौहार्द खत्म होते जा रहे हैं। आध्यात्मिकता के द्वारा हम फिर से भारतीय संस्कृति के मूल्यों को सुव्यवस्थित व स्थापित कर पायेंगे। आध्यात्मिकता से ही तनाव, निराशा आदि को खत्म किया जा सकता है।

जस्टिस एस.एन. भार्गव ने अपने उद्बोधन में कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था का मैं हमेशा ही सहयोगी रहा हूँ और सदा रहूँगा। इस देश में, समाज में, विश्व में परिवर्तन को आगे बढ़ाने का जो कार्य ये संस्था कर रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उचित समय पर इस कार्यक्रम के लिए उचित विषय लिया गया है। विश्व परिवर्तन जल्दी ही लाना है। ब्र.कु. चंद्रिका,राष्ट्रीय संयोजिका, ब्रह्माकुमारीज़ ने युवाओं का आह्वान किया और कहा कि युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा दिये जाने की आवश्यकता है। युवा अपने चर्म चक्षु को बंद कर अंतर चक्षु खोले और अपनी विशेषता को पहचाने।

ब्र.कु. सुषमा ने कहा कि दिल के सच्चे भाव और भावना द्वारा ही ईश्वरीय परिवार का संचालन हो रहा है और मनुष्य के संस्कार को परिवर्तन करने के लिए मेडिटेशन ही सर्वोत्तम उपाय है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर से लगभग 500 गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन करके किया गया जिसमें विशेष महिला आयोग की अध्यक्षा लाडकुमारी जैन, आइ.ए.एस. एम.एम. जोशी, पार्षद मोहिनी कंवर, माइनोरिटी कमिशन के चेयरमैन जसवीर सिंह, भारत विकास परिषद के उपाध्यक्ष आर.जी. डंगायच उपस्थित थे। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. जागृति, बल्लम विद्यानगर,गुजरात ने किया।

दादी रतनमोहिनी व ब्र.कु. चंद्रिका, संयोजिका, युवा प्रभाग की उपस्थिति में मीटिंग हुई जिसमें विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की गई।

जयपुर। ब्र.कु. चंद्रकला, महिला आयोग की अध्यक्षा लाडकुमारी जैन, दादी रतनमोहिनी, मंत्री अरुण चतुर्वेदी, ब्र.कु. सुषमा, माइनोरिटी कमिशन के चेयरमैन जसवीर सिंह,भारत विकास परिषद के उपाध्यक्ष आर.जी. डंगायच, ब्र.कु.चंद्रिका तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ युवा प्रभाग की मीटींग का आयोजन

दादी रतनमोहिनी व ब्र.कु. चंद्रिका,संयोजिका युवा प्रभाग के निर्देशन में हुई मीटिंग में विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर चर्चा व प्लैनिंग की गई। इस मीटिंग में विशेष रूप से यूथ एक्सप्रेस ट्रेन के विषय में भी चर्चा हुई। जिसमें युवा सशक्तिकरण, नारी सम्मान के अंर्तगत विषयों एवं परमात्मा का दिव्य संदेश पहुंचाने की योजना पर विचार विमर्श हुआ।

प्रशासक शासन में लाएं पारदर्शिता

ब्रह्माकुमारीज़ प्रशासक प्रभाग द्वारा त्रिदिवसीय सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर हुआ गहन विचार विमर्श।

ज्ञानसरोवर। प्रशासन को कसौटी पर खरा उतारने के लिए प्रशासकों की पारदर्शिता भेदभाव रहित होनी चाहिए। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक प्रभाग द्वारा आयोजित सेमिनार में नेपाल प्रशासक मंत्रालय के संयुक्त सचिव सूर्या प्रसाद शर्मा ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सूझबूझ से ही जनसमस्याओं का समुचित निराकरण होने पर सामाजिक ढांचे को सही दिशा मिल सकती है।

राकेश के.मित्तल,उत्तर प्रदेश समाज कल्याण आयुक्त ने कहा कि प्रशासनिक सेवाएं लोक कल्याण के लिए होती हैं। परिस्थितियों के बदलते परिवेश में लोगों की अपेक्षाओं को पूर्ण करना कठिन कार्य होता है।

अशोक कुमार टारेनिया,एक्साईज़ कमिश्नर,ओडिशा ने कहा कि अध्यात्म से ओतप्रोत मनुष्य निरपेक्ष प्रशासन देने में सक्षम होता है, जिससे वह प्रशासनिक कार्यों में बेहतर परिणाम देकर प्रेरणादायी बन जाता है। राकेश मेहता,दिल्ली चण्डीगढ़ राज्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि लोकतंत्र में प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रशासन की सजगता से ही लोगों को विकास का लाभ पहुंचाकर बेहतर सेवाएं दी जा सकती हैं।

संगठन के अतिरिक्त मुख्य सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की जीवनशैली का प्रशासनिक कार्यों पर पूरा प्रभाव पड़ता है। इस सम्मेलन के समापन सत्र में एस. पुजाहारी,उच्च न्यायालय न्यायाधीश, ओडिशा ने कहा कि परिस्थितियों के बदलते परिवेश में लोगों की अपेक्षाओं को पूर्ण करना कठिन कार्य होता है, लेकिन वे अपने क्षेत्र की, समाज की व राष्ट्र की उन्नति करने में सदैव तत्पर रहकर जनता का दिल जीतकर आशीर्वाद का पात्र बन जाते हैं।

मित्रालाल रेगमी,रेवेन्यु चीफ इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर,बुटवल नेपाल ने कहा कि लोकतंत्र में प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रशासन में सफलता का राज मूल्यों में समाया हुआ है।

ब्र.कु. आशा,अध्यक्षा,प्रशासनिक सेवा प्रभाग ने कहा कि बेहतर व प्रेरणादायी प्रशासन के लिए नीति निर्धारकों का जनता के साथ पारिवारिक माहौल के साथ आपसी समन्वय होना ज़रूरी है। अध्यात्म से ओतप्रोत मनुष्य निरपेक्ष प्रशासन देने में सक्षम होता है।

वी.के. शर्मा,जीआईपीएल मुख्य अधिकारी अधिशासी ने कहा कि परिस्थितियां दिनोंदिन विकराल रूप ग्रहण करती जा रही हैं, ऐसे समय पर दूसरों को आश्रय देने के लिए तथा स्वयं की स्थिति को मज़बूत बनाने के लिए लंबे समय से राजयोग के अभ्यास की ज़रूरत है। इस मौके पर प्रशासक सेवा प्रभाग मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. हरीश, प्रभाग सचिव ब्र.कु. शैलेष आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

ज्ञानसरोवर। ब्र.कु.हरीश, ब्र.कु. आशा,अध्यक्षा,प्रशासनिक सेवा प्रभाग, ब्र.कु. बृजमोहन, राकेश के.मित्तल,उत्तर प्रदेश समाज कल्याण आयुक्त,अशोक कुमार टारेनिया,एक्साईज़ कमिश्नर,ओडिशा, राकेश मेहता,दिल्ली चण्डीगढ़ राज्य चुनाव आयुक्त।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th June 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।